Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 16, Issue No. 9, June-2019, ISSN 2230-7540

"खुले में शौच मुक्त करने के लिए" किए गए प्रयासों का अध्ययन (मुंगेली जिला के हथनीकला ग्राम के विशेष संदर्भ में)

Ritu Chandraker[1]* Dr. Sapna Sharma Saraswat[2]

[1] Research Scholar

[2] Research Director

सार – ***प्रस्तुत शोध पत्र में मुंगेली जिले के हथनीकला ग्राम को खुले में शौच मुक्त करने के लिए किए गए शासकीय एवं गैर शासकीय प्रयासों का अध्ययन है। हथनीकला ग्राम में शौचालय का निर्माण कराना और उनका निरंतर उपयोग कराना एक बड़ी चुनौती थी, इस चुनौती से निपटने के लिए कई नवीन प्रयोग किए गए। इस शोध के माध्यम से यह जानने का प्रयास किया गया कि खुले में शौच मुक्ति के अभियान को सफल बनाने में किन माध्यमों की अहम भूमिका रही। लोगों के सदियों पुरानी खुले में शौच करने की आदतों में परिवर्तन करने हेतु समुदाय आधारित प्रविधियों का प्रयोग काफी कारगर सिद्ध हुआ और स्वच्छ भारत मिशन के तहत "खुले में शौच मुक्त छत्तीसगढ़" का लक्ष्य समय से पूर्व प्राप्त किया जा सका।***

----------X----------

प्रस्तावना:-

स्वच्छता एक सामाजिक मुद्दा है जिससे समाज का हर वर्ग, हर समुदाय परोक्ष-अपरोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। स्वच्छता और स्वास्थ्य के बीच सीधा संबंध है। अस्वच्छ पेयजल का उपयोग करना, मानव मल का सही ढ़ग से निपटान न किया जाना, पर्यावरण की समुचित साफ-सफाई की व्यवस्था न होना तथा स्वयं की और भोजन की सफाई की व्यवस्था न होना छत्तीसगढ़ में बीमारियों के प्रमुख कारण रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में शौच करना एक पुरानी प्रथा है लोगों में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के अंतर संबंधो की जानकारी का अभाव है। अध्ययनों से पता चलता है कि 80 प्रतिशत बीमारियों का कारण अस्वच्छता है। मल में पाए जाने वाले करोड़ों वायरस एवं बैक्टीरिया विभिन्न माध्यमों से मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर उन्हें बीमार कर देते हैं। इसके अलावा महिलाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों को शौचालय के अभाव में सर्वाधिक कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है।

स्वच्छता की स्थिति बेहतर होने से न केवल लोगों के स्वास्थ्य में सुधार आता है वरन् लोगों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति भी बेहतर होती है। 2 अक्टूबर 2014 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के 150 वीं जयंती के पावन अवसर पर 2 अक्टूबर 2019 तक "खुले में शौच मुक्त और स्वच्छ भारत निर्माण" का संकल्प माननीय प्रधानमंत्री द्वारा लिया गया। इस योजना का उद्देश्य 2 अक्टूबर 2019 तक हर परिवार में शौचालय सुविधा उपलब्ध कराना तथा पूरे देश को स्वच्छ बनाना है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए लोगों को साफ-सफाई के तरीके एवं महत्व के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुते अपील की गई क्योंकि बिना जनसहयोग के इस महत्वपूर्ण योजना को सफल बनाना आसान नही था। लोगों की जागरूकता से ही इस अभियान को सफलता मिली।

2 अक्टूबर 2014 को जब स्वच्छ भारत मिशन का शुभारंभ हुआ तब छत्तीसगढ़ में केवल 20 ग्राम पंचायतें ही खुले में शौच मुक्त थी। प्रदेश की 10,971 ग्राम पंचायतों को खुले में शौच मुक्त करने का विशाल लक्ष्य था। छत्तीसगढ़ में जनप्रतिनिधि, शासन-प्रसाशन, ग्राम पंचायतें, ग्रामवासी, विभिन्न सामाजिक समूह व जातिगत नेतृत्व में भी इस

भागीरथी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक मत होकर कदम बढ़ाया।

शोध विषय का उद्देश्य:-

1. गाँव को खुले में शौच मुक्त करने हेतु किए गए प्रयासों का क्रमिक विश्लेषण करना।

2. गाँव में स्वच्छ भारत अभियान के प्रति जन समुदाय की जागरूकता का पता लगाना।

3. खुले में शौच मुक्त करने हेतु किए गए प्रयासों में किस माध्यम की अहम् भूमिका रही उसका पता लगाना।

शोध विषय की उपकल्पना:-

1. गाँव को खुले में शौच मुक्त करने में महिलाओं की भागीदारी प्रमुख हो सकती है।

2. गाँव को खुले में शौच मुक्त बनाने घर-घर सम्पर्क और निगरानी दल का सर्वाधिक प्रभाव कारक हो सकती है।

शोध क्षेत्र एवं प्रविधि:-

प्रस्तुत शोध कार्य में छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिला के पथरिया विकासखण्ड के अंतर्गत हथनीकला ग्राम का चयन किया गया है। यह एक सांसद आदर्श ग्राम भी है। यह मुंगेली जिला मुख्यालय से 07 किलो मीटर दूरी पर पूर्व दिशा में स्थित है। यहाँ की जनसंख्या 2291 है जिसमें पुरूष 1162 तथा महिला 1129 है।

शोध विषय पर आँकड़े एकत्रित करने के लिए प्राथमिक एवं द्वितीयक समंको का प्रयोग किया गया है।

प्राथमिक समंको को एकत्र करने के लिए शोधकर्ता द्वारा प्रश्नावली तैयार करके ग्राम पंचायत के 50 परिवारों का चयन दैव निदर्शन विधि के लॉटरी पद्धति के माध्यम से किया गया है।

समंको को सरकारी प्रकाशनों, समाचार पत्र एवं इंटरनेट के प्रयोग करके संग्रहित किया गया है। एकत्रित आँकड़ों का वर्गीकरण, सारणीयन, प्रतिशत आदि सांख्यिकी विधियों का प्रयोग करके निर्वचन किया गया है।

परिणाम:-

तालिका 1: खुले में शौच मुक्त हेतु किए गए प्रयासों पर प्रतिक्रिया

स. क्र.	प्रयास	प्रयासों पर प्रतिक्रिया					
		बहुत अच्छा	अच्छा	सामान्य	कम प्रभावशील	अप्रभावशील	कुल
1	खुले में शौच को ग्राम सभा द्वारा प्रतिबंधित करना व जुर्माना लगाना	10	16	15	04	05	50
2	विभिन्न निगरानी समितियां यथा बिहनिया दल, रेड ब्रिगेड, वानर दल द्वारा निगरानी व सीटी बजाना	32	10	05	01	02	50
3	आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन व महिल समूहों द्वारा घर–घर सम्पर्क अभियान	38	05	04	02	01	50
4	स्वच्छता पंजी निर्माण व स्वच्छता मतदान	12	10	14	08	06	50
5	सघन प्रचार–प्रसार– रैली, मुनादी, नारे लेखन, कला जत्था आदि	20	19	06	02	03	50
6	खुले में शौच किए जाने वाले स्थलों की सफाई, सौंदयीकरण व वृक्षारोपण	23	15	07	03	02	50
7	स्वच्छ भारत मिशन के तहत् शौचालय निर्माण हेतु आर्थिक सहायता	30	12	05	02	01	50

ग्राम पंचायत हथनीकला में खुले में शौच मुक्त पंचायत बनाने हेतु किए गये प्रयासों के अध्ययन के लिए 50 परिवारों से प्राप्त जानकारी कर तालिका बनाकर विश्लेषण किया गया।

उपरोक्त तालिका के विशलेषण से स्पष्ट है कि "खुले में शौच मुक्त" हेतु किए गए प्रयास 'ग्राम सभा द्वारा प्रतिबंधित करना व जुर्माना लगाना' को सर्वाधिक 32 प्रतिशत लोगो ने एक अच्छा प्रयास माना। 30 प्रतिशत लोगों ने उसे सामान्य, 20 प्रतिशत लोगो ने बहुत अच्छा प्रयास बताया। वहीं 08 प्रतिशत लोगो ने इसे कम प्रभावशाली बताया तथा 10 प्रतिशत लोगों ने इस प्रयास को अप्रभावशाली बताया।

"खुले में शौच मुक्त" हेतु किए गए प्रयास 'विभिन्न निगरानी समितियां यथा बिहनिया दल, रेड ब्रिगेड, वानर दल द्वारा निगरानी व सीटी बजाना' को सर्वाधिक 64 प्रतिशत लोगो ने बहुंत अच्छा प्रयास माना बताया। वहीं 16 प्रतिशत लोगो ने इसे कम प्रभावशाली बताया तथा 12 प्रतिशत लोगों ने इस प्रयास को अप्रभावशाली बताया।

"खुले में शौच मुक्त" हेतु किए गए प्रयास 'सघन प्रचार-प्रसार- रैली, मुनादी, नारे लेखन, कला जत्था आदि' को सर्वाधिक 40 प्रतिशत लोगो ने बहुंत अच्छा प्रयास माना। 38 प्रतिशत लोगों ने उसे अच्छा, 12 प्रतिशत लोगो ने सामान्य प्रयास बताया। वहीं 08 प्रतिशत लोगो ने इसे कम प्रभावशाली बताया तथा 06 प्रतिशत लोगों ने इस प्रयास को अप्रभावशाली बताया।

"खुले में शौच मुक्त" हेतु किए गए प्रयास 'खुले में शौच किए जाने वाले स्थलों की सफाई, सौंदर्यीकरण व वृक्षारोपण' को सर्वाधिक 46 प्रतिशत लोगो ने बहुंत अच्छा प्रयास माना। 30

www.ignited.in

प्रतिशत लोगों ने उसे अच्छा, 14 प्रतिशत लोगो ने सामान्य प्रयास बताया। वहीं 06 प्रतिशत लोगो ने इसे कम प्रभावशाली बताया तथा 04 प्रतिशत लोगों ने इस प्रयास को अप्रभावशाली बताया।

"खुले में शौच मुक्त" हेतु किए गए प्रयास स्वच्छ भारत मिशन के तहत् शौचालय निर्माण हेतु आर्थिक सहायता' को सर्वाधिक 60 प्रतिशत लोगो ने बहुंत अच्छा प्रयास माना। 24 प्रतिशत लोगों ने उसे अच्छा, 10 प्रतिशत लोगो ने सामान्य प्रयास बताया। वहीं 04 प्रतिशत लोगो ने इसे कम प्रभावशाली बताया तथा 02 प्रतिशत लोगों ने इस प्रयास को अप्रभावशाली बताया।

इस प्रकार स्पष्ट है कि आंगनबाडी कार्यकर्ता, मितानीन व महिला समूहों द्वारा किये गए घर-घर सम्पर्क अभियान का जन-जागरूकता लाने व शौचालय निर्माण हेतु सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका रही। विभिन्न निगरानी समितियों यथा बिहनियां दल, रेड ब्रिगेड, वानर दल द्वारा सुबह- शाम शौच जाने हेतु चिन्हित स्थलों एवं मार्गों की निगरानी व सीटी बजाने का भी सीधा प्रभाव "खुले में शौच" जाने वाले लोगों पर पड़ा। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के तहत् लोगों को शौचालय निर्माण हेतु दिए जाने वाले सहायता राशि भी ग्राम पंचायतों को खुले में शौच मुक्त बनाने हेतु प्रभावीकारक सिद्ध हुआ।

सुझाव एवं निष्कर्ष:-

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभिन्न प्रकार के निगरानी दल एवं महिला समूहों की सर्वाधिक भूमिका रही। साथ ही घर-घर सत्त सम्पर्क का विशेष प्रभाव था कि हथनीकला गाँव को समय से पूर्व खुले में शौच मुक्त किया जा सका।

स्वच्छता स्थायित्व हेतु महिला समूहों को निरंतर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। निगरानी दलों को सक्रिय रखने के लिए प्रोत्साहन राशि दी जानी 20 प्रतिशत लोगों ने उसे अच्छा, 10 प्रतिशत लोगो ने सामान्य प्रयास बताया। वहीं 02 प्रतिशत लोगो ने इसे कम प्रभावशाली बताया तथा 04 प्रतिशत लोगों ने इस प्रयास को अप्रभावशाली बताया।

"खुले में शौच मुक्त" हेतु किए गए प्रयास 'आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन व महिल समूहों द्वारा घर-घर सम्पर्क अभियान' को सर्वाधिक 76 प्रतिशत लोगो ने बहुंत अच्छा प्रयास माना। 20 प्रतिशत लोगों ने उसे अच्छा, 08 प्रतिशत लोगो ने सामान्य प्रयास बताया। वहीं 04 प्रतिशत लोगो ने इसे कम प्रभावशाली बताया तथा 02 प्रतिशत लोगों ने इस प्रयास को अप्रभावशाली बताया।

"खुले में शौच मुक्त" हेतु किए गए प्रयास 'स्वच्छता पंजी निर्माण व स्वच्छता मतदान' को सर्वाधिक 28 प्रतिशत लोगो ने सामान्य प्रयास माना। 24 प्रतिशत लोगों ने उसे बहुत अच्छा, 20 प्रतिशत लोगो ने अच्छा प्रयास माना चाहिए। छुटे हुए एवं बढ़े हुए परिवारों को भी नवीन शौचालय निर्माण हेतु सहायता राशि शीघ्र दी जानी चाहिए। प्रत्येक घर तक नल-जल योजना का लाभ पहुँचाना चाहिए। शौचालय के गुणवत्तापूर्ण निर्माण एवं साफ-सफाई के बारे में भी जागरूकता अभियान चलाना चाहिए।

खुले में शौच जाना एक ऐसी आदत है जो पीढ़ियों से छत्तीसगढ़ के प्रत्येक क्षेत्र का अभिन्न और स्वीकार हिस्सा रही है। खुले में शौच मुक्ति के अभियान की सफलता लोगों के व्यवहार से जुड़ी हुई है जो कि अत्यंत चुनौतीपूर्ण है। छत्तीसगढ़ को खुले में शौच मुक्त बनाने का लक्ष्य केवल शौचालय निर्माण नही अपितु लोगों के व्यवहार में परिवर्तन का मिशन है। व्यवहार परिवर्तन का यह मिशन किसी एक गाँव या एक जिले के लोगों के व्यवहार में बदलाव का नही है वरन् प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक के व्यवहार परिवर्तन का है। शौच मुक्ति के इस मिशन को छत्तीसगढ़ में जन आंदोलन का रूप दिया गया। इस अभियान को समुदाय का, समुदाय के लिए, समुदाय द्वारा के मंत्र से क्रियान्वयन पर बल दिया गया। खुले में शौच मुक्ति के इस महाअभियान में प्रदेश के हर व्यक्ति को सहभागी करने के उद्देश्य से समुदाय आधारित सम्पूर्ण स्वच्छता प्रविधियों के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया गया। खुले में शौच करने को एक सामाजिक बुराई के रूप में प्रचारित किया गया तथा इसे समाप्त करने के लिए सभी समुदाय ने दृढ़ संकल्प लिया। गाँव में खुले में शौच करने से होने वाले नुकासन पर लगातार चर्चा की गई तथा शौचालय निर्माण के तकनीकी विकल्पों की जानकारी आम लोगों तक पहुँचाई गई तब जाकर खुले में शौच मुक्त के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सका।

संदर्भ ग्रंथ:-

1. ओ.डी.एफ स्थायित्व संदर्भ पुस्तिका 2017, राज्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (छ0ग0) पृष्ठ 3-18।

2. दिशा निर्देश- निर्मल भारत अभियान, भारत सरकार, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय।

3. सिंह आशुतोष कुमार, स्वच्छ भारत से ही सकार होगा स्वस्थ भारत, योजना 2015य 59;1द्ध 37ए41

4. Rudresh Kumar Sugam, Sonali Mitra, Arunabha Ghosh (2014). Kachra Mukt Shauchalay Yukt Bharat, Concil on Energy, Environment and Water 2014.584. http://ceew.in

5. Mane Abhay B. (2014). Swachh Bharat Missio for India's Sanitation Problem: Need of the Hour Unique Journal of Medical and Dental Science (ISSN 2347-5579), 02(04): pp. 58-60 www.ujconline.net

Corresponding Author

Ritu Chandraker*

Research Scholar

rituchandrakar76@gmail.com